आरती प्रार्थना

तुम लग मेरो आसरो, तुम लग मेरो दौड़
जैसे काग जहाज को, सूझत और न ठौर
न कुछ किया न कर सकूं, न कुछ करने योग
जो कुछ किया सो आप किया,आपे ही करने योग
संतन के रखवारयो, शरणागत प्रतिपाल
बेग खबर लो दास की, दीना नाथ दयाल
नहीं विद्या नहीं बाहुबल, नहीं तीर्थ नहीं दान
मुझ से कीट पतंग की, पत्त राखो भगवान
बड़ो भरोसो बड़ो बल, बड़ो आस विश्वास
बड़ो जाण शरणी पड़ो, इक तुम्हारी आस
मैं जे भुल विगाड़या, न कर मैला चित
साहिब दाता लोड़ीऐ, नफर बिगाड़े नित
मैं अपराधी जन्म का ,नखशिव भरा विकार
तुम दाता दुःख भंजना, मेरा करो आधार
अवगुण किये तो बहुत किये,करत न मानी हार
भावें बंदा बख्शयो, भावें गर्दन मार
अवगुण मेरे मेरे नाथ जी बख्शयो गरीब नवाज़
जे मैं पूत कपूत हाँ, बहुड़ पिता को लाज
मेरा अपना कुछ नहीं ,जो कुछ है सो तोरा
तेरा तुम को सौंप दूँ ,क्या लागत है मोरा
आयो प्यारे मोहना, पलक लोप तुम लूँ
न मैं देखूं और को , न मैं देखन दूँ